# हिन्दी विभाग

**उद्देश्य -**

1. छात्रों को संवेदनशील नागरिक बनाने के लिए, राष्ट्रीय एकता के महत्व को समझने के लिए तैयार करना, हिंदी के उपयोग और संचार कौशल में सुधार करना, हिंदी साहित्य के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालना है।
2. समाज के विभिन्न समुदायों के प्रति सहिष्णता की भावना का विकास करना।
3. भारतीय राष्ट्रीय भाषा और साहित्य के विभिन्न विषयों में ज्ञान की खोज में छात्रों का मार्गदर्शन और सहायता करना।
4. उनके पढ़ने, लिखने और अभिव्यक्ति के कौशल में सुधार करना।
5. बोलचाल की हिंदी के माध्यम से प्रभावी ढंग से संवाद करने और वक्ता का उच्चारण प्राप्त करने की उनकी क्षमता को बढ़ाने के लिए।
6. विभिन्न साहित्यिक विधाओं की जानकारी देना।

**अधिगम प्रतिफल**

**हिन्दी काव्य – 1**

1. विद्यार्थियों की आदिकालीन व मध्यकालीन हिन्दी काव्य में रुचि उत्पन्न होगी।
2. आदिकालीन व मध्यकालीन काव्य की प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।
3. साहित्य के माध्यम से समाज की परिस्थितियों से अवगत होंगे।
4. हिन्दी काव्य के नवीन रूपों तथा भाषा से परिचित होंगे।

**हिन्दी भाषा – उद्भव और विकास**

1. विद्यार्थी हिन्दी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत होंगे।
2. हिन्दी का भौगोलिक विस्तार और हिन्दी की उपभाषाएं विद्यार्थियों को सीखने को मिलेगी।
3. हिन्दी की संवैधानिक स्थिति से परिचित होंगे।
4. देवनागरी लिपि की विशेषताओं की जानकारी मिलेगी।

Scanned with OKEN Scanner

**हिन्दी साहित्य का इतिहास**

1. विद्यार्थी आदिकाल से लेकर मध्यकाल के पूर्वार्ध तक के सामाजिक, राजनीतिक संदर्भों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. हिन्दी साहित्य के प्रारंभिक और विकासात्मक स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
3. हिन्दी साहित्य के साहित्यकारों और उनकी रचनाओं के बारे में जान सकेंगे।
4. हिन्दी के भावगत, भाषागत और शैलीगत विकास से परिचित हो सकेंगे।

**हजारी प्रसाद द्विवेदी – विशेष अध्ययन**

1. विद्यार्थी भारतीय संस्कृति और उसकी देन से अवगत होंगे।
2. साहित्य का महत्व और लक्ष्य ज्ञात होगा।
3. सिक्ख इतिहास से परिचित होंगे।

**हिन्दी काव्य – 2**

1. विद्यार्थी सगुण भक्ति धारा के प्रारंभिक और विकासात्मक स्वरूप से परिचित होंगे।
2. भक्ति साहित्य के साहित्यकारों और उनकी रचनाओं के बारे में जान सकेंगे।
3. साहित्य का भावात्मक और राजसत्तात्मक प्रभाव का ज्ञान प्राप्त होगा।

**भाषा विज्ञान**

1. विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा की उत्पति के सिद्धान्तों की जानकारी प्राप्त होगी।
2. भाषा के स्वरूप और महत्त्व का ज्ञान प्राप्त होगा।
3. वैज्ञानिक और उपयोगी लिपि नागरी का अपेक्षित ज्ञान प्राप्त होगा।

**हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)**

1. भारतेंदु युग से छायावाद तक के काल की परिस्थितियों व परिवेश से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।
2. तत्कालीन राजनीति, सांस्कृतिक आंदोलनों व उनके साहित्यिक रूपान्तरण के बारे में जान सकेंगे।
3. इतिहास दृष्टि और लोकजीवन तथा प्रकृति से कविता के सरोकार को रेखांकित कर सकेंगे।
4. गद्य की विधाओं से परिचित होंगे।

Scanned with OKEN Scanner

**हिन्दी कथा साहित्य**

1. विद्यार्थी सम्पूर्ण मानव जगत की मानवीयता से परिचित होंगे।
2. रचनात्मक विचार और सृजन धर्म का विकास होगा।
3. गंभीर भावबोध को समझने का अवसर मिलेगा।
4. जीवन की वास्तविकता से परिचित होंगे।

**आधुनिक हिन्दी काव्य – 1**

1. विद्यार्थियों की आधुनिक हिन्दी काव्य में रुचि उत्पन्न होगी।
2. आधुनिक काव्य की प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।
3. साहित्य के माध्यम से समाज की परिस्थितियों से अवगत होंगे।
4. हिन्दी काव्य के नवीन रूपों तथा भाषा से परिचित होंगे।

**भारतीय काव्यशास्त्र**

1. विद्यार्थी काव्य के स्वरूप व काव्य के भेदों से परिचित होंगे।
2. भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न सम्प्रदायों तथा शब्द-शक्तियों से परिचित होंगे।
3. काव्यशास्त्र में रुचि पैदा होगी।
4. साहित्य की समझ पैदा होगी।

**हिन्दी नाटक और निबन्ध**

1. विद्यार्थियों की नाटक विधा में रुचि पैदा होगी।
2. रामचन्द्र शुक्ल के निबन्धों के माध्यम से विद्यार्थियों में मानवीय गुण पैदा होंगे।
3. पारिवारिक विघटन के विभिन्न कारणों से अवगत होंगे।
4. सैन्य जीवन में होने वाले दलित शोषण के यथार्थ से परिचित होंगे।

**कबीर - विशेष अध्ययन**

1. विद्यार्थी भक्तिकालीन साहित्य और उसकी परिस्थितियों से परिचित होंगे।
2. भक्तिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।
3. कबीर के साहित्य के माध्यम से तत्कालीन सामाजिक परिस्थितियों से अवगत होंगे।
4. बौद्धिक विकास में वृद्धि होगी।

**आधुनिक हिन्दी काव्य – 2**

1. विद्यार्थी आधुनिक काव्य के विभिन्न पड़ावों व मुख्य कवियों से परिचित होंगे।

Scanned with OKEN Scanner

2. काव्य के प्रति रुचि बढ़ेगी।

3. आधुनिक हिन्दी काव्य की पृष्ठभूमि से परिचित होंगे।

**पाश्चात्य काव्यशास्त्र**

1. विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र से परिचित होंगे तथा उनकी विषय संबंधी रुचि बढ़ेगी।

2. काव्यशास्त्र की विभिन्न प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।

3. शोध-प्रविधि के विभिन्न प्रकारों से अवगत होंगे।

4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांतों से परिचित होंगे।

**प्रयोजनमूलक हिन्दी**

1. विद्यार्थी हिन्दी की प्रयोजनीयता से परिचित होंगे।

2. हिन्दी के विभिन्न रूपों से परिचित होंगे।

3. जनसंचार के विभिन्न माध्यमों के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।

4. हिन्दी भाषा में रोजगार की सम्भावनाओं से अवगत होंगे।

**हिन्दी आलोचना और आलोचक**

1. विद्यार्थी हिन्दी आलोचना के विभिन्न चरणों से परिचित होंगे।
2. बौद्धिक विकास व साहित्य के प्रति रुचि विकसित होगी।
3. साहित्य विश्लेषण के कौशल का विकास होगा।

Scanned with OKEN Scanner